>

Ttile: Need to promote export of onion and undertake research work to improve the quality of onion- Laid.

श्री हरिश्चंद्र चव्हाण (दिंडोरी) : पूरे देश के 12 राज्यों में प्याज के उत्पादन में करोड़ों किसान लगे हुए हैं जिसमें मेरे संसदीय क्षेत्र दिंडोरी में प्याज का उत्पादन पूरे देश में ज्यादा मात्रा में हो रहा है। यहां के अधिकांश किसान प्याज की खेती बाड़ी करते हैं। प्याज एक वाणिज्यिक फसल है। मेरे संसदीय क्षेत्र में किसानों को उनकी प्याज उत्पादन लागत का मूल्य भी नहीं मिल रहा है जिसके कारण ये किसान अपने कर्ज को समय पर नहीं चुका पाते और किसान आत्महत्या के लिए मजबूर होता है। यहां के किसानों को प्रति एकड़ प्याज की खेती पर 60 से 65 हज़ार तक खर्च करना पड़ रहा है। इसमें भूमि का मूल्य और किसान की मेहनत का मूल्य शामिल नहीं है। प्याज की खेती की देखभाल बहुत अच्छे ढंग से करनी पड़ती है। थोड़ी सी लापरवाही से प्याज की फसल खराब हो जाती है। मेरे संसदीय क्षेत्र में एशिया की सबसे बड़ी प्याज की मंडी लासलगांव में है जिसे अभी तक राष्ट्रीय बाजार से नहीं जोड़ा गया है जिसके कारण यहां के किसानों को राज्यों के अन्य हिस्सों में चल रहे बाजार मूल्य की जानकारी नहीं मिल पाती है। मेरे कहने का मतलब है कि प्याज की खेती बाड़ी आज फायदे का सौदा नहीं है। प्याज के लाभकारी मूल्य नहीं मिलने से लोगों का यहां से शहरों की तरफ विशेषकर मुंबई में पलायन हो रहा है। विश्व में प्याज को खराब होने से बचाने के लिए कई तकनीकें ईजाद की गई है। उनको भी मेरे संसदीय क्षेत्र में लागू किया जाए और प्याज प्रसंस्करण उद्योग को स्थापित करने के कार्य को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही साथ मैं यह बताना चाहता हूं कि भारत से विदेशों को केवल 5% प्याज का निर्यात हो रहा है। उत्पादन को देखते हुए इसे 95% तक किया जा सकता है। आवश्यकता इस बात की है कि जब देश में प्याज का उत्पादन ज्यादा हो तो सरकार को उसे इंसेंटिव देकर अधिक से अधिक निर्यात करना चाहिए जिससे देश में प्याज की कीमत ज्यादा न गिरे और प्याज खराब भी न हो। विदेशों में भारतीय प्याज के तीखेपन के कारण प्याज का स्वाद विश्व में विख्यात है और सब्जियों एवं नॉन वेज भोजन में प्रयोग करने के लिए भारतीय प्याज से बनी ग्रेवी की मांग है। प्याज के अधिक निर्यात से भारतीय प्याज उत्पादकों को प्याज का अधिक मूल्य दिया जा सकता है। विश्व में कई देश प्याज का उत्पादन करते हैं किंतु भारतीय प्याज की कई कारणों से काफी मांग है। विश्व में प्याज के निर्यात में अन्य देशों से प्रतियोगिता करने के लिए भारतीय प्याज की गुणवत्ता के लिए अनुसंधान किए जाने चाहिए जिससे हम पाकिस्तान, जॉर्डन एवं चीन से ज्यादा प्याज का निर्यात कर सके ।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि प्याज उत्पादन करने वाले गरीब और दयनीय किसानों को प्याज उत्पादन लागत से अधिक मूल्य दिए जाने के लिए भारतीय प्याज के निर्यात को बढ़ावा दिया जाए और इसकी गुणवत्ता के लिए आवश्यक अनुसंधान किए जाने का कार्य सुनिश्चित करें।